संगोष्ठी आख्या

"रोल ऑफ मैथेमेटिक्स इन एडवांसमेंट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी" पर त्रि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
एन.सी.आर.एम.ए.एस.टी.–2013(अक्टूबर 18–20, 2013)
(डी.एस.टी., भारत सरकार एवं सी.एस.आई.आर., नई दिल्ली द्वारा अनुदानित)

"विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति में गणित की भूमिका" पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में "**स्मारिका**" एवं महाविद्यालय द्वारा हिन्दी में प्रकाशित विज्ञान शोध पत्रिका "**अनुसंधान**" का विमोचन करते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय **डॉ0 एस0बी0 निमसे** एवं अन्य मंचासीन महानुभाव

गणित विभाग, बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ, द्वारा नेशनल साइंस नेटवर्क एवं बी0एस0एन0वी0 विज्ञान परिषद के सहयोग से महाविद्यालय के नवनिर्मित सभागार में डी.एस.टी. एवं सी.एस.आई.आर., भारत सरकार द्वारा अनुदानित शीर्षक **"रोल ऑफ मैथेमेटिक्स इन एडवांसमेंट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी"** पर त्रि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की दिवसवार आख्या निम्नवत है–

प्रथम दिवस (अक्टूबर 18, 2013, शुक्रवार)

प्रातःकाल ठीक 9:30 पर उद्घाटन समारोह महाविद्यालय के सभागार में प्रारम्भ हुआ। सभागार के मंच पर मुख्य अतिथि– प्रोफेसर एस0 बी0 निमसे, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि– प्रोफेसर एस0 दत्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, श्री टी0 एन0 मिश्र, अध्यक्ष, बी0एस0एन0वी0 इंस्टीट्यूट, श्री आर0 के0 टण्डन, अध्यक्ष, बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ, डॉ0 सुधीश चन्द्र, प्राचार्य, बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ, डॉ0 के0 के0 बाजपेई, संयोजक व अध्यक्ष, गणित विभाग एवं डॉ0 दीपक कुमार श्रीवास्तव, आयोजन सचिव व एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, मंचासीन थे। उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ0 संजीव शुक्ल, प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। सभी महानुभावों के द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के द्वारा सरस्वती वन्दना का सुमधुर गायन प्रस्तुत किया गया। सरस्वती वन्दना के पश्चात् राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन सभी मंचासीन महानुभावों के कर–कमलों द्वारा सुनिश्चित हुआ। इसके बाद संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 के0 के0 बाजपेई के द्वारा मुख्य अतिथि– प्रोफेसर एस0 बी0 निमसे, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, एवं विशिष्ट अतिथि– प्रोफेसर एस0 दत्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, का संक्षिप्त परिचय एवं शिक्षा जगत में उनके द्वारा किये गये योगदान को सभागार में उपस्थित अतिथियों, छात्र–छात्राओं व देश–विदेश से आये हुए प्रतिभागियों को परिचित कराया गया।

मुख्य अतिथि– प्रोफेसर एस0 बी0 निमसे द्वारा दिये गये अपने भाषण में राष्ट्रीय संगोष्ठी के शीर्षक की तहेदिल से सराहना की गई। गणित की बुनियादी विचारों के ऐतिहासिक विकास का हवाला देते हुए उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति में गणित की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र–छात्राओं एवं युवा शोधकर्ताओं से बिना किसी झिझक के इस प्रकार आयोजित की जाने वाली संगोष्ठियों में वक्तव्य देने आये विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछने को प्रेरित किया गया। उनके विचारों में प्रश्नों से परिपूर्ण मस्तिष्क ही एक मूल गणितज्ञ की निशानी होता है।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एस0 दत्ता जी द्वारा दिये गये अपने बीजीय भाषण में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हो रही लगातार उन्नति में गणित किस प्रकार अपना योगदान दे रही है इसके बारे में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मिसाइल प्रोजेक्शन, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान आदि क्षेत्रों में वैज्ञानिक पूरी तरह से गणित और गणितीय मॉडल पर निर्भर हैं। तत्पश्चात् राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ0 दीपक कुमार श्रीवास्तव द्वारा संगोष्ठी के विशय पर प्रकाश डाला गया।

इसी क्रम में महाविद्यालय में विज्ञान के हिन्दी माध्यम से प्रचार–प्रसार के उद्देश्य को लेकर नवगठित बी0एस0एन0वी0 विज्ञान परिषद के अध्यक्ष एवं वर्तमान प्राचार्य डॉ0 सुधीश चन्द्र जी द्वारा परिषद के लक्ष्य एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। विज्ञान परिषद के द्वारा राजभाषा हिन्दी में प्रकाशित शोध पत्रिका **अनुसंधान (विज्ञान शोध पत्रिका)** के प्रथम खण्ड, अंक–1, वर्ष 2013, का विमोचन भी सम्मानित मंचासीन सदस्यों के द्वारा किया गया। प्राचार्य महोदय द्वारा सभी अतिथियों एवं देश भर से संगोष्ठी में भाग लेने आये हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

उद्घाटन समारोह के मंच पर आसीन बी0एस0एन0वी0 इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष, श्री टी0 एन0 मिश्र जी द्वारा अल्प समय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदान प्राप्त कर संगोष्ठी के आयोजन हेतु आयोजन कर्ताओं को बधाई दी तथा सफल आयोजन की कामना की। उनके द्वारा बाहर से भाग लेने आये प्रतिभागियों को आयोजन समिति की ओर से किसी भी प्रकार की तकलीफ न होने देने का आश्वासन भी दिया गया। उद्घाटन समारोह का अंत महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री आर0 के0 टण्डन जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा संचालनकर्ता अधिकारी डॉ0 संजीव शुक्ल जी द्वारा सभी अतिथियों को हाई–टी के लिए आमंत्रित किया गया।

हाई–टी के उपरांत आयोजित शैक्षिक सत्र में दो आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन हुआ। प्रथम व्याख्यान विशिष्ट अतिथि **प्रोफेसर सुनील दत्ता** द्वारा विषय "**मैथेमेटिक्स एण्ड फ्ल्यूड मिकेनिक्स**" पर दिया गया तथा द्वितीय व्याख्यान **प्रोफेसर सत्य देव**, पूर्व कुलपति, ए0पी0एस0 विश्वविद्यालय, रीवा, म0प्र0, द्वारा विषय **"इंटरडिसिप्लिनयरी एप्रोच इन द डेवेलपमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स**" पर दिया गया। दोनों व्याख्यानों के बाद पाँच मिनट के चर्चा–परिचर्चा सत्रों में विशेषज्ञों के द्वारा प्रतिभागियों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों के संतोषप्रद जबाब देकर उन्हें संतुष्ट किया गया। इस शैक्षिक सत्र का संचालन **डॉ0 के0 के0 बाजपेई**, विभागाध्यक्ष, गणित

विभाग द्वारा किया गया। इस सत्र की समाप्ति पर सभी ने दिन के भोजन हेतु प्रस्थान किया।

भोजनावकाश के उपरांत शुरू हुए शैक्षिक सत्र में तीन आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के द्वारा अपने–अपने व्याख्यान दिये गये। प्रथम आमंत्रित व्याख्यान **प्रोफेसर आर0 एस0 श्रीवास्तव**, विभागाध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, डी0 डी0 यू0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, द्वारा विषय **"प्रोबेबिलिटी मेजर्स ऑन ए हिल्बर्ट स्पेस"** पर, द्वितीय आमंत्रित व्याख्यान **प्रोफेसर मंजू अग्रवाल**, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, द्वारा विशय **"रोल ऑफ मैथेमेटिकल मॉडेलिंग इन रियल लाइफ सिचुएशंस"** पर तथा तृतीय आमंत्रित व्याख्यान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त **प्रोफेसर पीयूश चन्द्रा**, गणित विभाग, आई0 आई0 टी0 कानपुर, द्वारा विषय **"रोल ऑफ मैथेमेटिक्स इन एपिडेमियोलॉजी"** पर दिये गये। सभी व्याख्यानों में गणित के व्यावहारिक महत्व एवं जीवन में उसके उपयोग को उजागर करने पर आधारित थे जिन्हें सभी छात्र–छात्राओं एवं प्रतिभागियों के द्वारा बहुत सराहा गया। इस शैक्षिक सत्र का संचालन **प्रोफेसर एस0 दत्ता**, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा किया गया। सत्रांत पर पंद्रह मिनट के चाय अंतराल की घोषणा संचालक द्वारा की गई।

प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में चार समानांतर पेपर प्रस्तुतिकरण युवा शोधार्थियों हेतु आयोजित किये गये। चार में से दो सत्र बायोलॉजिकल साइंसेज (स्थान–वनस्पति विज्ञान विभाग, चेयर परसन–श्रीमती सजनी मिश्रा, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग) व फिजिकल साइंसेज (स्थान–भूविज्ञान विभाग, चेयर परसन–डॉ0 संजय शुक्ल, विभागाध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग) में पोस्टर प्रस्तुतिकरण पर आधारित थे। अन्य दो सत्र गणित के शुद्ध (स्थान– कला स्टाफ कक्ष, चेयर परसन–डॉ0 जे0 पी0 सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग) एवं प्रयुक्त (स्थान– सभागार कक्ष, चेयर परसन–डॉ0 प्रीति बाजपेई, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, बी0आई0टी0 पिलानी, दुबई परिसर, यूएई) पत्रों के मौखिक प्रस्तुतिकरण पर आधारित थे। इन चारों सत्रों में कुल मिलाकर 70 पत्रों का प्रस्तुतिकरण स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध छात्र–छात्राओं एवं युवा शिक्षकों द्वारा किया गया जो स्तरीय व सराहनीय था। इसके उपरांत प्रथम दिवस की गतिविधियों का समापन हुआ।

द्वितीय दिवस (19 अक्टूबर, 2013, शनिवार)

दूसरे दिन का प्रथम तकनीकी सत्र प्रातः 9 बजे से शुरू हुआ जिसमें शहर के बाहर से आये हुए प्रतिभागियों द्वारा मौखिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये, जिनमें दो सामान्तर शुद्ध और प्रयुक्त गणित के सत्र चलाए गये। जिनमे क्रमशः **प्रोफेसर कमला देवी सिंह**, निवर्तमान अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा **डॉ जे0 पी0 सिंह**, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ द्वारा शुद्ध गणित के शोध पत्रों के मूल्यांकन एवं समालोचक की भूमिका निभाई गई तथा प्रयुक्त गणित के शोध प्रपत्रों का मूल्यांकन तथा समालोचक की भूमिका **प्रोफेसर सुनील दत्ता**, निवर्तमान अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा निभाई गयी। इन सत्रों में 25 प्रयुक्त गणित के एवं 19 शुद्ध गणित के शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण हुआ, जो कि स्तरीय था।

दोपहर के भोजन से पूर्व, दूसरे तकनीकी सत्र में तथा दोपहर के भोजन के बाद, तृतीय सत्र में पाँच प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा व्याखान प्रस्तुत किये गये। जिसमें **प्रो0 के0 के0 आजाद**, अध्यक्ष, गणित विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा **"ऑन सम वरजन्स ऑफ कम्प्लीट इंवेरियन्स प्रॉपर्टी"** पर **डॉ0 मुहम्मद साजिद**, इंजीनियरिंग कॉलेज, कासिम विश्वविद्यालय, सऊदी अरब द्वारा **"फ्रैक्टल्स इन मैथेमेटिक्स, साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी"** पर व्याख्यान दिया गया। जिसकी अध्यक्षता क्रमशः डॉ0 रमा जैन (द्वितीय सत्र), एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, महिला महाविद्यालय तथा डॉ0 अनुपमा रस्तोगी (तृतीय सत्र) एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा की गयी।

दिन के अन्तिम एवं चतुर्थ सत्र में पूर्ण रूप से जीव विज्ञान एवं सांख्यिकी तकनीकी पर चर्चा करने के लिए जैवसूचना एवं जैव कणों के लिए समर्पित किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता **प्रो0 एस0 के0 अग्रवाल,** विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा की गयी। इसी सत्र में **प्रो0 बी0 बी0 खरे**, सांख्यिकी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का एक आमंत्रित व्याख्यान **"अप्लीकेशन ऑफ स्टैटिस्टिक्स इन बायोमेडिकल साइंस"** पर दिया गया। इन आमन्त्रित व्याख्यानों में गणित एवं सांख्यिकी के उपयोग एवं महत्व के बारे में बताया गया तथा जैवसूचना एवं जैवकणों के विकास में गणित के योगदान को उनके द्वारा समझाया गया।

तृतीय दिवस (रविवार, 20 अक्टूबर 2013)

तृतीय दिन का प्रथम तकनीकी सत्र प्रातः 9 बजे से प्रारम्भ हुआ जिसमें स्थानीय एवं बाहरी प्रतिभागियों द्वारा मौखिक शोध पत्र प्रस्तुत हुए। जिसमें शुद्ध एवं प्रयुक्त गणित के समानान्तर सत्र चलाये गये जिसमें प्रयुक्त गणित सत्र की अध्यक्षता एवं समालोचना क्रमशः प्रोफेसर कान्ती पाण्डेय, गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, द्वारा की गयी तथा शुद्ध गणित सत्र की अध्यक्षता एवं समालोचना डॉ0 जय प्रताप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ, द्वारा की गयी। इस सत्र में 27 प्रयुक्त गणित के तथा 18 शुद्ध गणित के शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण हुआ।

दूसरे तकनीकी सत्र (दोपहर के खाने से पूर्व) एवं तृतीय तकनीकी सत्र (दोपहर के खाने के पश्चात) में तीन प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गये, जिसमें **प्रोफेसर अनिल कुमार वशिष्ठ**, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा **"वेव प्रोपेगेशन इन स्मार्ट पिजियोइलेक्ट्रिक मैटीरियल्स"**, **प्रोफेसर वी0 के0 कटियार**, गणित विभाग, आई0 आई0 टी0, रूड़की द्वारा **"मॉडलिंग इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट सिस्टम"** पर तथा **डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव**, प्रमुख वैज्ञानिक, सी0डी0आर0आई0 लखनऊ द्वारा **"साइन्टून्स एण्ड मैथेमैटिक्स"** पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। प्रो0 वशिष्ठ द्वारा "पीजियो मैटीरियल्स" का उपयोग एवं महत्व समझाया। प्रो0 वी0 के0 कटियार द्वारा स्वास्थ्य देखभाल को गणितीय मॉडल द्वारा प्रस्तुत किया गया और उन्होंने इसको रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित किया। डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में गणित को रोचक तथ्यों तथा वर्तमान युग में साइन्टून तथा विज्ञान के विकास में गणित का योगदान एवं महत्व समझाया। इस दिन के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता **डॉ0 एन0 के0 शर्मा**, अध्यक्ष, गणित विभाग, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज तथा **डॉ0 विनीता विजय**, अध्यक्षा, गणित विभाग, आई0 टी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ तथा तृतीय सत्र की अध्यक्षता **डॉ0 के0 के0 बाजपेई**, अध्यक्ष, गणित विभाग, बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ के द्वारा की गयी।

इस दिन का चतुर्थ एवं अन्तिम सत्र, का समापन डॉ0 सुधीश चन्द, प्राचार्य, बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ तथा मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रमुख वैज्ञानिक, सी0डी0आर0आई0 द्वारा सत्र एवं समारोह का समापन हुआ। समापन समारोह में सात सर्वश्रेष्ठ पत्र प्रस्तुतिकरण पुरस्कार एवं दो सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी पुरस्कार मुख्य अतिथि डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को प्रदान किये गये, जिनका विवरण निम्नवत है–

(क) सर्वश्रेष्ठ पत्र प्रस्तुतिकरण

1. हिमांशु चौरसिया, एम0एससी0 विद्यार्थी, आई0एम0एस0, बी0एच0यू0 बनारस (पोस्टर प्रेजेन्टेशन) जैवविज्ञान
2. तृप्ती मिश्रा एवं अन्य, एन0बी0आर0आई0 लखनऊ (पोस्टर प्रेजेन्टेशन) भौतिक विज्ञान एवं सांख्यिकी।
3. प्रतीक्षा श्रीवास्तव, बी0एससी0–तृतीय वर्ष, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ, भौतिक विज्ञान एवं सांख्यिकी (पोस्टर प्रस्तुतिकरण), विद्यार्थी वर्ग में।
4. डॉ0 जाविद अली, गणित विभाग, बी0आई0टी0एस0 पिलानी (शुद्ध गणित–मौखिक)।
5. डॉ0 सईदा दरक्षण जाबीन, आई0एस0आई0 कोलकता (अनुप्रयुक्त गणित–मौखिक)
6. देवांशु शुक्ला, बी0एससी0 द्वितीय वर्ष(पी–2) स्नातक छात्र (पुरूष वर्ग)।
7. पूनम यादव, बी0एससी0 प्रथम वर्ष(एम–1) स्नातक छात्रा (महिला वर्ग)।

(ख) सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवी पुरस्कार

1. सुदीप कुमार द्विवेदी, बी0एससी0 प्रथमवर्ष (एम–2) (पुरूष वर्ग)।
2. चिंकी गंगवार, बी0एससी0 प्रथम वर्ष (एम–4) (महिला वर्ग)।

समारोह के तीनों दिन की सम्पूर्ण शैक्षिक आख्या डॉ0 दीपक कुमार श्रीवास्तव, आयोजन सचिव, द्वारा पढ़ी गयी। समारोह के अन्त में प्राचार्य डॉ0 सुधीश चन्द्र, विश्व में साइन्टून्स के जनक, डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, तथा संगोष्ठी संयोजक डॉ0 के0 के0 बाजपेई ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा कर संक्षिप्त भाषण दिया एवं त्रिदिवसीय सफल राष्ट्रीय संगोष्ठी का राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ।

समीक्षकः– **निर्मल श्रीवास्तव**
शोध छात्र, गणित विभाग
लखनऊ, विश्वविद्यालय, लखनऊ
nirmalsri.25@gmail.com

डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते प्रतिभागी